Part A Introduction			
Program: P.G. DIPLOMA	Class: M.A.	Year: First Year	Session:2025-26
Subject: Sociology			

1	Course Code	CC-11
2	Course Title	Basic Indian Social Institutions
3	Course Type (Core Course/Elective/ Generic Elective/Vocational/)	Core Course
4	Pre-requisite (if any)	1. Passed three-year Bachelor's degree (Old Course) OR 2. Passed Bachelor's degree in Arts with Sociology as a major or minor subject (as per National Education Policy - 2020) OR 3. Passed CUET (PG) or University level entrance exam in the relevant subject
5	Course Learning Outcomes (CLO)	1. Students will be able to get acquainted with the basic concepts of Indian culture. 2. Will be able to get acquainted with the traditional Indian education system. 3. Will be able to understand the various traditions and rituals of Indian marriage. 4. To acquaint students with the family structure and organisation. 5. Economic life in ancient India - To acquaint them with the philosophy of economic life.
6	Credit Value	Option -I =5, Option II & III=4
7	Total Marks	Max. Marks: 40+60 / Min. Passing Marks: 40

Part B-Content of the Course

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week):L-T-P:02-00-00=

Unit	Topics	No. of Lectures (1 Hour Each)
I	Basic Characteristics of Indian culture, Concept of vasudhaiv kutumbkam Basic Knowledge of Indian Classical Texts Vedas Upnishad and about Society.	15
	Keywords - Vasudhaiva Kutumbakam, classical texts, Vedas, Upanishads	

22/8/2025

22/8/2025

22/8/2025

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

	Activity - To submit a review report of the Indian books available in the college library.	
II	**Traditional Indian Education System -** Gurukul Pattern, Duties of students and teachers. Teacher Student Relationship. Deeksha Yagnyopaveet and Vidyarambh sanskar. **Major Ancient Education Centers -** Takshshilla, Nalanda, Vikramshilla and Vallabhi Vishwavidyalay. **Keywords -** Education system, Gurukul pattern, initiation, Yajnopaveet, Vidyarambha Sanskar, **Activity -** Discussion on Indian traditional education and modern education. PPT presentation on Nalanda University.	15
III	**Hindu Marriage -** Types of Hindu Marriage, Marriage rule - Anulome and Pratilom Vivah, Sapravar, Sapind, sagotra, Muslim Marriage Types and Rules, Christian Marriage Difference between Hindu, Muslim and Christian Marriage. **Keywords -** Marriage, Anuloma and Pratiloma, Sapravara, Sapinda, Gotra **Activity -** Presentation of a short film on Indian wedding rituals.	15
IV	**Family System in India -** Hindu Family System Rules of Succession, Meetakshara and Daybhag. Muslim Family System ,and Christian Family System. **Keywords -** Hindu family system, inheritance, Mitakshara and Dayabhaga, Muslim family, Christian family. **Activity -** Preparing research paper on family system.	15
V	**Economic Life in Ancient India -** Philosophy of Economic Life - Varta System Shreni System, Land Ownership, and Tax Systems in ancient India . Trade Industries and Trade routes in Ancient India. **Keywords -** Economic life, land ownership, tax system, industry, trade **Activity -** Seminar on Ancient Economy.	15
	Total Lectures	**75 Hours**

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

Part C-Learning Resources

Text Books, Reference Books, Other resources

1- MacIver, Robert M & Charles Hunt Page (1949) Society: An Introductory Analysis, New York.

2- Beteille Andre (1965) Caste Class & Power, California University, Berkeley.

3- Ghurye GS (1961) Caste, Class & occupation, Popular Book Depot., Bombay.

4- Ogburn & Nimkoff (1947) Hand Book of Sociology, K.PAUL, Trench, Prebner and Comp.Ltd. London.

5- Giddens, A. (2006). Sociology (5th ed.). Oxford University Press. London

6- Horton and Hunt. (1964) Sociology The Discipline and its Dimensions: New Central Book Agency, Calcutta.

7- Johnson, Harry M.. (1988) Sociology A Systematic Introduction. Allied Publishers Pvt. Ltd, New Delhi.

8- Inkeles Alex, (1977) What is Sociology-Prentice-Hall of India, Pvt. Ltd., New Delhi. 9- Shankar Rao C.N. (2019) Sociology-S Chand and company Ltd. New Delhi

10-Shankar Rao C.N. (2018) Sociology of Indian society S Chand and company Ltd, New Delhi

11-Pandey Vinita (2016) Indian society and culture, Rawat Publication, Jaipur.

12-Bhushan Vidya and Sachdeva D.R. (2000) Kitab Mahal, Allahabad.

13- दुबे श्यामाचरण (1993) मानव और संस्कृति, राजकमल प्रकाशन, नईदिल्ली.

14- आहूजा राम (2008) समाजशास्त्र विवेचना और परिप्रेक्ष्य, रावत पब्लिकेशन, जयपुर,

15-अग्रवाल जी.के. (2018) समाजशान्त्र की मूल अवधारणाएँ, साहित्य भवन पब्लिकेशन, आगरा.

16- सिंह जे.पी. (2019) समाजशास्त्र अवधारणायें एवं सिद्धान्त, रावत पब्लिकेशन, जयपुर,

17-बघेल डी.एस. (2020) समाजशास्त्र, कैलाश पुस्तक सदन, भोपाल.

18- पाटिल अशोक डी. एवं भदौरिया एस. एस. (2015) समाजशास्त्र परिचय, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल.

19- सचदेवा डी. आर (2005) समाजशास्त्र के सिद्धान्त, किताब महल, इलाहबाद.

Suggested Readings:

https://nios.ac.in/online-course-material/sr-secondary-courses/Sociology-(331).aspx

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रमः

IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" India and Abroad.

Suggested equivalent online courses:

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

Part D-Assessment and Evaluation		
Suggested Evaluation Methods: Seminar, Class Test, Group Discussion, Appropriate Weightage of attendance in the class. Maximum Marks:100 CCE- 40, University Exam Marks- 60		
External Assessment: University Exam Section: 100 Time: 03:00 Hours	**Section(A) Objective Types** Questions- 5 (5x1=5) **Section(B):**Short Questions - 5 (5x3=15) (With Internal Choice) **Section(C):**Long Questions - 5 (5x8=40) (With Internal Choice)	100
Any remarks/suggestions:		

22/8/25

22/8/25

22/8/2025

22/8/25

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

भाग अ- परिचय

कार्यक्रम: स्नातकोत्तर डिप्लोमा	कक्षा: एम.ए.	वर्ष : प्रथम वर्ष	सत्र : 2025-2026

विषय: समाजशास्त्र

1	पाठ्यक्रम का कोड	CC-11
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	बुनियादी भारतीय सामाजिक संस्थाएँ
3	पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोरकोर्स/ इलेक्टिव/ जेनेरिक इलेक्टिव/ वोकेशनल)	कोर कोर्स
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	1. तीन वर्षीय स्नातक की डिग्री (ओल्ड कोर्स) उत्तीर्ण अथवा 2. समाजशास्त्र मुख्य या गौण विषय के साथ कला में स्नातक डिग्री उत्तीर्ण (राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 के अनुसार) अथवा 3. सम्बन्धित विषय में सीयूईटी (पीजी) या विश्वविद्यालय स्तर की प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	1. विद्यार्थी भारतीय संस्कृति की मूल अवधारणाओं से परिचित हो सकेगें। 2. पारंपरिक भारतीय शिक्षा प्रणाली से परिचित हो सकेगें। 3. भारतीय विवाह की विभिन्न परम्पराओं एवं अनुष्ठानों की विधियों को समझ सकेगें। 4. विद्यार्थियों को पारिवारिक संरचना एवं सगठन से परिचित कराना। 5. प्राचीन भारत में आर्थिक जीवन - आर्थिक जीवन का दर्शन से परिचित कराना।
6	क्रेडिट मान	विकल्प- I =5, विकल्प- II & III=4
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 40+60 / न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 40

भागब- पाठ्यक्रम की विषय वस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या- ट्यूटोरियल- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में):L-T-P: 02-00-00= प्रति सप्ताह

इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या (01 घण्टा)
प्रथम	भारतीय संस्कृति की मूल विशेषताएं, वसुधैव कुटुम्बकम की अवधारणा, भारतीय शास्त्रीय ग्रंथों वेद उपनिषद और समाज के बारे में मूल ज्ञान।	15
	सारबिन्दु – वसुधैव कुटुम्बकम, शास्त्रीय ग्रंथो, वेद, उपनिषद	
	गतिविधि – महाविद्यालय ग्रन्थालय में उपलब्ध भारतीय ग्रंथो की समीक्षा प्रतिवेदन प्रस्तुत करना।	
द्वितीय	पारंपरिक भारतीय शिक्षा प्रणाली- गुरुकुल पैटर्न, छात्रों और शिक्षकों के कर्तव्य। शिक्षक छात्र संबंध, दीक्षा यज्ञोपवीत एवं विद्यारम्भ संस्कार। प्रमुख प्राचीन शिक्षा केन्द्र- तक्षशिला, नालन्दा, विक्रमशिला एवं वल्लभी विश्वविद्यालय।	15
	सारबिन्दु – शिक्षा प्रणाल, गुरुकुल पैटर्न, दीक्षा, यज्ञोपवीत, विद्यारम्भ संस्कार,	
	गतिविधि – भारतीय पारम्परिक शिक्षा और आधुनिक शिक्षा पर विमर्श। नालन्दा विश्विद्यालय पर पीपीटी प्रेजेंटेशन।	

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

तृतीय	हिंदू विवाह- हिंदू विवाह के प्रकार, विवाह नियम - अनुलोम और प्रतिलोम विवाह, सप्रवर, सपिंड, सगोत्र, मुस्लिम विवाह के प्रकार और नियम, ईसाई विवाह हिंदू, मुस्लिम और ईसाई विवाह के बीच अंतर।	15
	सारबिन्दु – विवाह, अनुलोम और प्रतिलोम, , सप्रवर, सपिंड, गोत्र	
	गतिविधि – भारतीय विवाह संस्कार पर शार्ट फ़िल्म की प्रस्तुति।	
चतुर्थ	भारत में परिवार व्यवस्था - हिंदू परिवार व्यवस्था, उत्तराधिकार के नियम, मीताक्षरा और दायभाग, मुस्लिम परिवार व्यवस्था और ईसाई परिवार व्यवस्था।	15
	सारबिन्दु – हिंदू परिवार व्यवस्था, उत्तराधिकार, मीताक्षरा और दायभाग, मुस्लिम परिवार, ईसाई परिवार।	
	गतिविधि – परिवार व्यवस्था पर शोध आलेख तैयार कराना।	
पंचम	प्राचीन भारत में आर्थिक जीवन - आर्थिक जीवन का दर्शन, - प्राचीन भारत में वार्ता प्रणाली, श्रेणी प्रणाली, भूमि स्वामित्व और कर प्रणाली। प्राचीन भारत में व्यापार उद्योग और व्यापार मार्ग।	15
	सारबिन्दु – आर्थिक जीवन, भूमि स्वामित्व, कर प्रणाली, उद्योग, व्यापार	
	गतिविधि – प्राचीन अर्थव्यवस्था पर सेमिनार।	
	कुल व्याख्यान	75 घण्टे

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

अनुशंसित पुस्तकें/ सहायक पुस्तकें/अन्य पाठ्य संसाधन/ पाठ्य सामग्री :

1- MacIver, Robert M & Charles Hunt Page (1949) Society: An Introductory Analysis, New York.
2- Beteille Andre (1965) Caste Class & Power, California University, Berkeley.
3- Ghurye GS (1961) Caste, Class & occupation, Popular Book Depot., Bombay.
4- Ogburn & Nimkoff (1947) Hand Book of Sociology, K.PAUL, Trench, Prebner and Comp.Ltd. London.
5- Giddens, A. (2006). Sociology (5th ed.). Oxford University Press. London
6- Horton and Hunt. (1964) Sociology The Discipline and its Dimensions: New Central Book Agency, Calcutta.
7- Johnson, Harry M.. (1988) Sociology A Systematic Introduction. Allied Publishers Pvt. Ltd, New Delhi.
8- Inkeles Alex, (1977) What is Sociology-Prentice-Hall of India, Pvt. Ltd., New Delhi. 9- Shankar Rao C.N. (2019) Sociology-S Chand and company Ltd. New Delhi
10-Shankar Rao C.N. (2018) Sociology of Indian society S Chand and company Ltd, New Delhi
11-Pandey Vinita (2016) Indian society and culture, Rawat Publication, Jaipur.
12-Bhushan Vidya and Sachdeva D.R. (2000) Kitab Mahal, Allahabad.
13- दुबे श्यामाचरण (1993) मानव और संस्कृति, राजकमल प्रकाशन, नईदिल्ली.
14- आहूजा राम (2008) समाजशास्त्र विवेचना और परिप्रेक्ष्य, रावत पब्लिकेशन, जयपुर,
15-अग्रवाल जी.के. (2018) समाजशान्त्र की मूल अवधारणाएँ, साहित्य भवन पब्लिकेशन, आगरा.
16- सिंह जे.पी. (2019) समाजशास्त्र अवधारणायें एवं सिद्धान्त, रावत पब्लिकेशन, जयपुर,
17-बघेल डी.एस. (2020) समाजशास्त्र, कैलाश पुस्तक सदन, भोपाल.
18- पाटिल अशोक डी. एवं भदौरिया एस. एस. (2015) समाजशास्त्र परिचय, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल.

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:
https://nios.ac.in/online-course-material/sr-secondary-courses/Sociology-(331).aspx

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:
IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

भाग द-अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:सेमिनार, कक्षा परीक्षण, समूह चर्चा, कक्षा में उपस्थिति का उचित महत्व।
अधिकतम अंक: 100
सतत व्यापक मूल्यांकन- 40 अंक , विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 60

आकलन : 100 **विश्वविद्यालयीन परीक्षा:** समय- 03.00 घंटे	**खंड (ए) वस्तुनिष्ठ प्रश्न- 5 (5x1=5)** **खंड (बी): लघु प्रश्न - 5 (5x3=15)** **(आंतरिक विकल्प के साथ)** **खंड (सी): दीर्घ प्रश्न - 5 (5x8=40)** **(आंतरिक विकल्प के साथ)**	**कुल अंक 100**

कोईटिप्पणी/सुझाव:

22/8/25

22/8/2025

22/8/2025

22/8/25

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

Part A Introduction			
Program: P.G. DIPLOMA	Class: M.A.	Year: First Year	Session:2025-26
Subject: Sociology			

1	Course Code	CC-12
2	Course Title	Foundations of Social Research Methodology
3	Course Type (Core Course/Elective/ Generic Elective/Vocational/)	Core Course
4	Pre- requisite (if any)	1. Passed three-year Bachelor's degree (Old Course) OR 2. Passed Bachelor's degree in Arts with Sociology as a major or minor subject (as per National Education Policy - 2020) OR 3. Passed CUET (PG) or University level entrance exam in the relevant subject
5	Course Learning Outcomes (CLO)	1. To make students familiar with the importance, objectives and characteristics of research. 2. To make them aware of issues like ethics, confidentiality, objectivity in social research. 3. Students will be able to develop the ability to communicate the results of their research effectively. 4. Students will develop the ability to do social research which includes data collection, analysis and drawing conclusions. 5. Students will be able to understand the use and importance of guidance systems in research work.
6	Credit Value	Option -I =5, Option II & III=4
7	Total Marks	Max. Marks: 40+60 / Min. Passing Marks: 40

Part B-Content of the Course

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week):L-T-P:02-00-00=

Unit	Topics	No. of Lectures (1 Hour Each)
I	**Introduction to Research** • Meaning and Nature of Research • Definition, Objectives, and Importance of Research in Social Sciences • Significance of Research • Research and the Scientific Method	15

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

	• Nature qualitative data, computer assisted qualitative data analysis. • Criteria for Good Research	
	Keywords - Research, Social Sciences, Good Research, Scientific Method	
	Activity - Discussion on research and sociology.	
II	**Types of Research & Research Ethics** • Types of Research: Basic, Applied, Action & Evaluative • Research Approaches: Quantitative Approach & Qualitative Approach • Ethics in Social Research: Informed Consent, Confidentiality, Objectivity, Plagiarism, and Other Ethical Issues • Intellectual Property Rights	15
	Keywords - Quantitative trend, Qualitative trend, Ethics Fairness, Plagiarism, Intellectual Property	
	Activity - Symposium on Intellectual Property.	
III	**Research Design and Problem Formulation** • Types of Research Designs: Exploratory, Descriptive, Explanatory & Experimental • Concepts of Units of Analysis, Variables (Dependent & Independent), and Hypotheses (Research & Statistical) • Identification and Selection of a Research Problem • Framing of Objectives and Hypotheses	15
	Keywords - Research design, hypothesis, research problem, descriptive, explanatory research	
	Activity - To make students generate hypotheses on social issues.	
IV	**Review of Literature** • Purpose and Importance of Literature Review • Process of Reviewing Literature • Tools and Techniques for Literature Review • Sources of Secondary Data and Literature	15
	Keywords - Literature review, secondary data, tools, techniques	

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

	Activity - Workshop on Fact Collection.	
V	**Sampling Design and Research Ethics** • Steps in Sampling Design • Criteria for Selecting a Sampling Procedure • Characteristics of an Ideal Sample Design • Types of Sampling: Probability and Non-Probability • Sample Size and Sampling Error	15
	Keywords - Sampling, Research, Ethics, Probability and Non-Probability Sampling	
	Activity - Doing sampling in a group for research on social issues.	
	Total Lectures	**75 Hours**

Part C-Learning Resources

Text Books, Reference Books, Other resources

Suggested Readings:

1. Research Methodology in social Science, Ravendra Thakur
2. Research Methodology, Methods & Techniques, CR Kothari, Gaurav Garg
3. सत्येन्द्र त्रिपाठी- सामाजिक अनुसंधान एवं सांख्यिकी
4. रामगोपाल सिंह- सामाजिक अनुसंधान एवं पद्धति विज्ञान
5. डॉ. डी.के. लाल दास- सामाजिक शोध
6. CA Moser : Survey Methods in Social Investigation
7. Methods in Social Research Goods & Hatt.
8. P.V. Yang Scientific Social Survey & Research.
9. Graham R. Gibbs, Qualitative data Analysis, Rawat Publication
10. डी.के.लाल दास, सामाजिक शोध सिद्धांत एवं व्यवहार
11. J.P. singh, methods of social research

Suggested equivalent online courses:

https://nios.ac.in/online-course-material/sr-secondary-courses/Sociology-(331).aspx

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:

IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

Part D-Assessment and Evaluation

Suggested Evaluation Methods: Seminar, Class Test, Group Discussion, Appropriate Weightage of attendance in the class.

Maximum Marks:100

CCE- 40, University Exam Marks- 60

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

External Assessment: University Exam Section: 100 Time: 03:00 Hours	**Section(A) Objective Types** Questions- 5 (5x1=5) **Section(B):**Short Questions - 5 (5x3=15) (With Internal Choice) **Section(C):**Long Questions - 5 (5x8=40) (With Internal Choice)	100
Any remarks/suggestions:		

22/8/25

22/8/25

22/8/25

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

भाग अ- परिचय

कार्यक्रम: स्नातकोत्तर डिप्लोमा	कक्षा: एम.ए.	वर्ष : प्रथम वर्ष	सत्र : 2025-2026

विषय: समाजशास्त्र

1	पाठ्यक्रम का कोड	CC-12
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	सामाजिक अनुसंधान पद्धतिशास्त्र के मूलतत्व
3	पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोरकोर्स/ इलेक्टिव/ जेनेरिक इलेक्टिव/ वोकेशनल)	कोर कोर्स
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	1. तीन वर्षीय स्नातक की डिग्री (ओल्ड कोर्स) उत्तीर्ण अथवा 2. समाजशास्त्र मुख्य या गौण विषय के साथ कला में स्नातक डिग्री उत्तीर्ण (राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 के अनुसार) अथवा 3. सम्बन्धित विषय में सीयूईटी (पीजी) या विश्वविद्यालय स्तर की प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	1. छात्रों को शोध के महत्व, उद्देश्यों और विशेषताओं से परिचित कराना। 2. उन्हें सामाजिक शोध में नैतिकता, गोपनीयता, वस्तुनिष्ठता जैसे मुद्दों से अवगत कराना। 3. छात्र अपने शोध के परिणामों को प्रभावी ढंग से संप्रेषित करने की क्षमता विकसित कर सकेंगे। 4. छात्र सामाजिक शोध करने की क्षमता विकसित करेंगे जिसमें डेटा संग्रह, विश्लेषण और निष्कर्ष निकालना शामिल है। 5. छात्र शोध कार्य में मार्गदर्शन प्रणाली के उपयोग और महत्व को समझ सकेंगे।
6	क्रेडिट मान	विकल्प- I =5, विकल्प- II & III=4
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 40+60 न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 40

भाग ब- पाठ्यक्रम की विषय वस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या- ट्यूटोरियल- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में):L-T-P: 02-00-00= प्रति सप्ताह

इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या (01 घण्टा)
प्रथम	**अनुसंधान का परिचय** • अनुसंधान का अर्थ और प्रकृति • सामाजिक विज्ञान में अनुसंधान की परिभाषा, उद्देश्य और महत्व • अनुसंधान का महत्व • अनुसंधान और वैज्ञानिक विधि • गुणात्मक डेटा की प्रकृति, कंप्यूटर सहायता प्राप्त गुणात्मक डेटा विश्लेषण, • अच्छे अनुसंधान के लिए मानदंड	15

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

	सारबिन्दु – अनुसंधान, सामाजिक विज्ञान, उत्तम अनुसंधान, वैज्ञानि पद्धति, **गतिविधि** - अनुसंधान और समाजशास्त्र पर परिचर्चा।	
द्वितीय	**अनुसंधान के प्रकार और अनुसंधान नीतिशास्त्र** • अनुसंधान के प्रकार: बुनियादी, व्यावहारिक, क्रियात्मक और मूल्यांकनात्मक • अनुसंधान प्रवृत्तियाँ: मात्रात्मक प्रवृत्ति और गुणात्मक प्रवृत्ति • सामाजिक अनुसंधान में नैतिकता: सूचित सहमति, गोपनीयता, निष्पक्षता, साहित्यिक चोरी, एवं अन्य नैतिक मुद्दे • बौद्धिक संपदा अधिकार **सारबिन्दु** – मात्रात्मक प्रवृत्ति, गुणात्मक प्रवृत्ति, नैतिकता निष्पक्षता, साहित्यिक चोरी, बौद्धिक संपदा **गतिविधि** - बौद्धिक संपदा पर संगोष्ठी।	15
तृतीय	**अनुसंधान अभिकल्प और समस्या निरूपण** • अनुसंधान अभिकल्प के प्रकार: खोजपूर्ण, वर्णनात्मक, व्याख्यात्मक और प्रायोगिक • विश्लेषण की इकाइयों, चर (आश्रित और स्वतंत्र), और परिकल्पना (अनुसंधान और सांख्यिकीय) की अवधारणाएँ • शोध समस्या की पहचान एवं चयन • उद्देश्यों और परिकल्पनाओं का निर्धारण **सारबिन्दु** – अनुसंधान अभिकल्प, परिकल्पना, शोध समस्या, वर्णनात्मक, व्याख्यात्मक शोध **गतिविधि** - सामाजिक विषयों पर छात्रों से परिकल्पना निर्माण कराना।	15
चतुर्थ	**साहित्य समीक्षा** • साहित्य समीक्षा का उद्देश्य एवं महत्व • समीक्षा की प्रक्रिया • साहित्य समीक्षा के लिए उपकरण एवं तकनीक • द्वितीयक आंकड़ों एवं स्रोतों का उपयोग **सारबिन्दु** – साहित्य समीक्षा, द्वितीयक आंकड़े , उपकरण , तकनीक **गतिविधि** - तथ्य सकलन पर कार्यशाला।	15
पंचम	**प्रतिचयन अभिकल्प और अनुसंधान में नैतिकता** • प्रतिचयन अभिकल्प के चरण • प्रतिचयन प्रक्रिया के चयन की कसौटियाँ • आदर्श प्रतिचयन अभिकल्प की विशेषताएँ • प्रतिचयन के प्रकार: संभाव्यता एवं अप्रत्याशित प्रतिचयन • नमूना आकार और प्रतिचयन त्रुटि **सारबिन्दु** – प्रतिचय, अनुसंधान , नैतिकता , संभाव्यता और अप्रत्याशित प्रतिचयन **गतिविधि** - सामाजिक मुद्दों पर शोध हेतु निदर्शन कार्य समूह में करना।	15
	कुल व्याख्यान	75 घण्टे

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

अनुशंसित पुस्तकें/ सहायक पुस्तकें/अन्य पाठ्य संसाधन/ पाठ्य सामग्री :

1. Research Methodology in social Science, Ravendra Thakur

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

2. Research Methodology, Methods & Techniques, CR Kothari, Gaurav Garg
3 सत्येन्द्र त्रिपाठी- सामाजिक अनुसंधान एवं सांख्यिकी
4. रामगोपाल सिंह- सामाजिक अनुसंधान एवं पद्धति विज्ञान
5. डॉ. डी.के. लाल दास- सामाजिक शोध
6- CA Moser : Survey Methods in Social Investigation
7. Methods in Social Research Goods & Hatt.
8. P.V. Yang Scientific Social Survey & Research.
9. Graham R. Gibbs, Qualitative data Analysis, Rawat Publication
10. डी.के.लाल दास, सामाजिक शोध सिद्धांत एवं व्यवहार
11. J.P. singh, methods of social research

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:
https://nios.ac.in/online-course-material/sr-secondary-courses/Sociology-(331).aspx

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:
IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

भाग द-अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:सेमिनार, कक्षा परीक्षण, समूह चर्चा, कक्षा में उपस्थिति का उचित महत्व।
अधिकतम अंक: 100
सतत व्यापक मूल्यांकन- 40 अंक , विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 60

आकलन : 100 **विश्वविद्यालयीन परीक्षा:** समय- 03.00 घंटे	**खंड (ए) वस्तुनिष्ठ प्रश्न-** 5 (5x1=5) **खंड (बी): लघु प्रश्न -** 5 (5x3=15) **(आंतरिक विकल्प के साथ)** **खंड (सी): दीर्घ प्रश्न -** 5 (5x8=40) **(आंतरिक विकल्प के साथ)**	**कुल अंक 100**

कोईटिप्पणी/सुझाव:

22/8/25

22/8/25

22/8/25

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

Part A Introduction				
Program: P.G. DIPLOMA		Class: M.A.	Year: First Year	Session:2025-26
Subject: Sociology				
1	Course Code	CC-13		
2	Course Title	Rural Sociology		
3	Course Type (Core Course/Elective/ Generic Elective/Vocational/)	Core Course		
4	Pre-requisite (if any)	1. Passed three-year Bachelor's degree (Old Course) OR 2. Passed Bachelor's degree in Arts with Sociology as a major or minor subject (as per National Education Policy - 2020) OR 3. Passed CUET (PG) or University level entrance exam in the relevant subject		
5	Course Learning Outcomes (CLO)	1. Students will understand the structure, characteristics and diversity of rural society. 2. Understand the social and cultural aspects in rural society like caste, religion, tradition. 3. Understand the characteristics of rural agrarian economy-agricultural and non-agricultural activities. 4. Understand the rural administrative structure, leadership development and role of Panchayati Raj. 5. Students will be able to analyse the problems of rural society like poverty, unemployment and untouchability.		
6	Credit Value	Option -I =5, Option II & III=4		
7	Total Marks	Max. Marks: 40+60	Min. Passing Marks: 40	
Part B-Content of the Course				
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical(in hours per week):L-T-P:02-00-00=				
Unit	Topics			No. of Lectures (1 Hour Each)
I	Introductory descriptive of Rural Society • Meaning, definition and characteristics of rural society. • Approaches to study Rural society in India: Rural- Urban continuum, little tradition & great tradition, universalization & parochialization. • Peasant Society and folk cultural			15

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

	• Untouchability • Migration of people • Rural planning and Reconstruction: State & central policy. • Impact of Urbanization, technology & Globalization : Rural Social Mobility : Agrarian Distress	
	Keywords - Rural problems, poverty, landless labour, untouchability, migration of people, urbanisation, technology and globalisation	
	Activity - Survey work of nearby villages.	
	Total Lectures	**75 Hours**

Part C-Learning Resources
Text Books, Reference Books, Other resources
Suggested Readings: ❖ Chauhan, B.R. 2003. Village Community ❖ Desai, A.R. 1977. Rural Sociology in India, Bombay ❖ Dube, S.C. 1955. India's Changing Villages ❖ Joshi, P.C. 1976. Land Reforms in India : ❖ Majumdar, D.D. 1988. Peasant Movements in India, New Delhi ❖ Pauline kolenda, caste, marriage and inequality. ❖ सामाजिक परिवर्तन स्वरूप व सिद्धांत डॉ. जे.पी. सिंह। ❖ दोषी एवं जैन ❖ डॉ. गोपाल कृष्ण अग्रवाल- ग्रामीण समाजशास्त्र
Suggested equivalent online courses: https://nios.ac.in/online-course-material/sr-secondary-courses/Sociology-(331).aspx अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रमः IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.
Part D-Assessment and Evaluation
Suggested Evaluation Methods: Seminar, Class Test, Group Discussion, Appropriate Weightage of attendance in the class. Maximum Marks:100 CCE- 40, University Exam Marks- 60

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

External Assessment: University Exam Section: 100 Time: 03:00 Hours	**Section(A) Objective Types** Questions- 5 (5x1=5) **Section(B):**Short Questions - 5 (5x3=15) (With Internal Choice) **Section(C):**Long Questions - 5 (5x8=40) (With Internal Choice) .	100
Any remarks/suggestions:		

22/8/25

22/8/25

22/8/25

22/8/25

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

भाग अ- परिचय

कार्यक्रम: स्नातकोत्तर डिप्लोमा	कक्षा: एम.ए.	वर्ष : प्रथम वर्ष	सत्र : 2025-2026

विषय: समाजशास्त्र

1	पाठ्यक्रम का कोड	CC-13
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	भारत में ग्रामीण समाजशास्त्र
3	पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोरकोर्स/ इलेक्टिव/ जेनेरिक इलेक्टिव/ वोकेशनल)	कोर कोर्स
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	1. तीन वर्षीय स्नातक की डिग्री (ओल्ड कोर्स) उत्तीर्ण अथवा 2. समाजशास्त्र मुख्य या गौण विषय के साथ कला में स्नातक डिग्री उत्तीर्ण (राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 के अनुसार) अथवा 3. सम्बन्धित विषय में सीयूईटी (पीजी) या विश्वविद्यालय स्तर की प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	1. छात्र ग्रामीण समाज की संरचना, विशेषता और विविधता को समझेगें। 2. ग्रामीण समाज में सामाजिक और सांस्कृति पहलू को समझना जैस जाति, धर्म, परम्परा। 3. ग्रामीण कृषि अर्थव्यवस्था की विशेषता- कृषि और गैर कृषि गतिविधियों को समझना। 4. ग्रामीण प्रशासनिक ढांचा, नेतृत्व विकास एवं पंचायती राज्य की भूमिका को समझना। 5. छात्र ग्रामीण समाज की समस्याओं का विश्लेषण करने में सक्षम होगें जैसे गरीबी, बेरोजगारी और अस्पश्यता ।
6	क्रेडिट मान	विकल्प- I =5, विकल्प- II & III=4
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 40+60 / न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 40

भागब- पाठ्यक्रम की विषय वस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या- ट्यूटोरियल- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में): L-T-P: 02-00-00= प्रति सप्ताह

इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या (01 घण्टा)
प्रथम	**ग्रामीण समाज का परिचयात्मक वर्णन** 1. ग्रामीण समाज का अर्थ, परिभाषा और विशेषताएँ। 2. भारत में ग्रामीण समाज का अध्ययन करने के दृष्टिकोण ग्रामीण समाज। 3. भारत में ग्रामीण समाज का अध्ययन करने के दृष्टिकोण। 4. ग्रामीण-नगरीय सातत्य, लघु परंपरा, वृहत परंपरा, सार्वभौमिकरण और स्थानीयकरण । 5. कृषक समाज और लोक संस्कृति	15

22/8/25 22/8/25 22/8/25

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

	Keywords - Rural society, rural-urban continuum, small tradition, large tradition, universalisation, localisation.	
	Activity - Conduct group discussions in class on folk culture.	
II	Rural Society Socio- cultural Perspective • Indian villages: Self- sufficiency. • Socio- cultural dimensions • Rural Social structure : Caste, jajmani, joint family & agrarian relation	15
	Keywords - Rural society, self-reliance, caste, jajmani system, joint family, agricultural relations	
	Activity - Ask students to make a chart on the Jajmani system.	
III	Agrarian Relation in Rural India • Introduction to Agrarian relations: definition, meaning & Importance • Agrarian Social structure & class structure in rural India. • Local reform & agrarian movements. • Agrarian crises & contemporary challenges.	15
	Keywords - Agrarian social structure, Agrarian movement, Agrarian crisis	
	Activity - Organize a seminar on rural leadership.	
IV	Rural Political life • Rural elite & leadership- past and present • Emerging Rural leadership and development • Faction and Factionalism in Rural India. • Panchayati Raj: 73 and 74 Constitutional Amendment, Tri-structure.	15
	Keywords - Rural elites, leadership, factionalism, Panchayati Raj	
	Activity - Organizing workshop on agricultural crisis.	
V	Rural Problem & Policy • Rural Problem : Cause, effect and outcome • Poverty • Land-less labour	15

22/8/25 22/8/25 22/8/25

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

	सारबिन्दु – ग्रामीण समाज, ग्रामीण-नगरीय सातत्य, लघु परंपरा, वृहत परंपरा, सार्वभौमिकरण, स्थानीयकरण ।	
	गतिविधि - लोक संस्कृति पर कक्षा में समूह चर्चा कराए।	
द्वितीय	**ग्रामीण समाज- सामाजिक-सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य** 1. भारतीय गांव: आत्मनिर्भरता। 2. सामाजिक-सांस्कृतिक आयाम 3. ग्रामीण सामाजिक संरचना: जाति, जजमानी व्यवस्था, संयुक्त परिवार और कृषि संबंध	15
	सारबिन्दु – ग्रामीण समाज, आत्मनिर्भरता, जाति, जजमानी व्यवस्था, संयुक्त परिवार, कृषि संबंध	
	गतिविधि - जजमानी प्रथा पर विद्यार्थियों से चार्ट बनाए।	
तृतीय	**ग्रामीण भारत में कृषि संबंध** 1. कृषि संबंधों का परिचय: परिभाषा, अर्थ और महत्व 2. ग्रामीण भारत में कृषि सामाजिक संरचना एवं वर्ग संरचना। 3. सामाजिक सुधार और कृषि आंदोलन। 4. कृषि संकट और समकालीन चुनौतियाँ।	15
	सारबिन्दु – कृषि सामाजिक संरचना, कृषि आंदोलन, कृषि संकट	
	गतिविधि - ग्रामीण नेतृत्व पर संगोष्ठी का आयोजन करायें।	
चतुर्थ	**ग्रामीण राजनीतिक जीवन** 1. ग्रामीण अभिजात वर्ग और नेतृत्व- अतीत और वर्तमान 2. उभरता हुआ ग्रामीण नेतृत्व और विकास 3. ग्रामीण भारत में गुट और गुटबाजी। 4. पंचायती राज: 73वां और 74वां संविधान संशोधन, त्रि-संरचना।	15
	सारबिन्दु – ग्रामीण अभिजात, नेतृत्व, गुटबाजी, पंचायती राज	
	गतिविधि - कृषि संकट पर कार्यशाला का आयोजन।	
पंचम	**ग्रामीण समस्या और नीति** 1. ग्रामीण समस्या: कारण, प्रभाव और परिणाम 2. गरीबी 3. भूमिहीन श्रम 4. अस्पृश्यता 5. लोगों का प्रवास 6. ग्रामीण नियोजन और पुनर्निर्माण: राज्य और केंद्रीय नीति। 7. नगरीकरण , प्रौद्योगिकी और वैश्वीकरण का प्रभाव 8. ग्रामीण सामाजिक गतिशीलता: कृषि संकट	15
	सारबिन्दु – ग्रामीण समस्या, गरीबी, भूमिहीन श्रम, अस्पृश्यता, लोगों का प्रवास, नगरीकरण , प्रौद्योगिकी और वैश्वीकरण	
	गतिविधि - समीपस्थ गाँव का सर्वेक्षण कार्य।	
	कुल व्याख्यान	75 घण्टें
भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन		
अनुशंसित पुस्तकें/ सहायक पुस्तकें/अन्य पाठ्य संसाधन/ पाठ्य सामग्री :		

❖ Chauhan, B.R. 2003. Village Community

22/08/25

22/8/25

22/8/25

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

- Desai, A.R. 1977. Rural Sociology in India, Bombay
- Dube, S.C. 1955. India's Changing Villages
- Joshi, P.C. 1976. Land Reforms in India :
- Majumdar, D.D. 1988. Peasant Movements in India, New Delhi
- Pauline kolenda, caste, marriage and inequality.
- सामाजिक परिवर्तन स्वरूप व सिद्धांत डॉ. जे.पी. सिंह।
- दोषी एवं जैन
- डॉ. गोपाल कृष्ण अग्रवाल- ग्रामीण समाजशास्त्र

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:

https://nios.ac.in/online-course-material/sr-secondary-courses/Sociology-(331).aspx

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:

IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

भाग द-अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:सेमिनार, कक्षा परीक्षण, समूह चर्चा, कक्षा में उपस्थिति का उचित महत्व।

अधिकतम अंक: 100

सतत व्यापक मूल्यांकन- 40 अंक , विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 60

आकलन : 100 **विश्वविद्यालयीन परीक्षा:** समय- 03.00 घंटे	**खंड (ए) वस्तुनिष्ठ प्रश्न-** 5 (5x1=5) **खंड (बी): लघु प्रश्न -** 5 (5x3=15) (आंतरिक विकल्प के साथ) **खंड (सी): दीर्घ प्रश्न -** 5 (5x8=40) (आंतरिक विकल्प के साथ)	कुल अंक 100

कोईटिप्पणी/सुझाव:

22/08/25

22/8/25

22/8/25

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

Part A Introduction			
Program: P.G. DIPLOMA	Class: M.A.	Year: First Year	Session:2025-26

Subject: Sociology		
1	Course Code	CC-14
2	Course Title	Urban Sociology
3	Course Type (Core Course/Elective/ Generic Elective/Vocational/)	Core Course
4	Pre-requisite (if any)	1. Passed three-year Bachelor's degree (Old Course) OR 2. Passed Bachelor's degree in Arts with Sociology as a major or minor subject (as per National Education Policy - 2020) OR 3. Passed CUET (PG) or University level entrance exam in the relevant subject
5	Course Learning Outcomes (CLO)	1. Students will understand the definition, importance of urban sociology and the process of urbanization. 2. To make them aware of the characteristics of urban society such as diversity, complexity, artificial lifestyle and change and problems. 3. To make them aware of urban structure and institutions and its types. 4. To make the students understand various theories of urban society such as sector model, polyatomic theory etc. 5. To make them aware of urban problems such as poverty, crime, alcoholism, slums and improvement programmes.
6	Credit Value	Option -I =5, Option II & III=4
7	Total Marks	Max. Marks: 40+60 / Min. Passing Marks: 40

Part B-Content of the Course

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical(in hours per week):L-T-P:02-00-00=

Unit	Topics	No. of Lectures (1 Hour Each)
I	Introductory Description of urban society • Meaning, definition, characteristics of urban society • Approach to study urban society • Changing occupational structure and its impact of social stratification: caste. • Class, gender and family	15

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

	Keywords - Urban society, structure, stratification, class, gender and family	
	Activity - Students should be asked to have group discussions on the changes in the caste system.	
II	Urban Society in India • Meaning, Definition & Concept of urban Society in India • Indian city and its growth • Changing urban society • Problems of urban management in India.	15
	Keywords - Indian cities, development, problems and management.	
	Activity - Study the Municipal Corporation/Municipality of your area to understand urban management.	
III	Urban Social structure & Institution • Urbanism, Urbanisation, Urbanity • Structure & types of cities (Mumford) • Gentrification • Underclass (C. Murry)	15
	Keywords - Urbanization, Urbanism, Nagarwal, Gentrification, Underclass	
	Activity - Survey the structure of your respective city in groups and prepare a report.	
IV	Models and Theory of Urban Society • Concentric Zone model (Burgess) • Sector model (Homer Hoyt) • Multiple nuclear theory (Hariss and Ullman) • Central place theory (Christaller)	15
	Keywords - concentric sector model, sector model, polyatomic theory, central place theory	
	Activity - PPT presentation of the urban model of your own city according to any one principle.	
V	Problems and Policies • Poverty, Crime, alcoholism, drug abuse, migration, slum development , problems of housing and environment Pollution • Central & state Policy.	15

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

	Keywords - Poverty, crime, alcoholism, drug abuse, migration, slums **Activity -** Survey the slums of your city.	
	Total Lectures	**75 Hours**

Part C-Learning Resources		
Text Books, Reference Books, Other resources		
Suggested Readings: 1. हरीषचन्द्र उप्रेती एवं सैनी: नगरीय समाजशास्त्र 2. Raymod Aran : Main Currents in Sociological Thoughts 3. Ramachandran : Urbanization in India 4. Dr. ram krishan mandal, development in india, problem & solution 5. गोपाल कृष्ण अग्रलवा: नगरीय समाजशास्त्र 6. विश्वनाथ झा, औद्योगिक समाजशास्त्र		
Suggested equivalent online courses: https://nios.ac.in/online-course-material/sr-secondary-courses/Sociology-(331).aspx अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रमः IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.		
Part D-Assessment and Evaluation		
Suggested Evaluation Methods: Seminar, Class Test, Group Discussion, Appropriate Weightage of attendance in the class. Maximum Marks:100 CCE- 40, University Exam Marks- 60		
External Assessment: University Exam Section: 100 Time: 03:00 Hours	**Section(A) Objective Types** Questions- 5 (5x1=5) **Section(B):**Short Questions - 5 (5x3=15) (With Internal Choice) **Section(C):**Long Questions - 5 (5x8=40) (With Internal Choice)	100
Any remarks/suggestions:		

22/08/25

22/8/25

22/8/2025

डॉ. ममता वाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

भाग अ- परिचय

कार्यक्रम: स्नातकोत्तर डिप्लोमा	कक्षा: एम.ए.	वर्ष : प्रथम वर्ष	सत्र : 2025-2026

विषय: समाजशास्त्र

1	पाठ्यक्रम का कोड	CC-14
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	नगरीय समाजशास्त्र
3	पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोरकोर्स/ इलेक्टिव/ जेनेरिक इलेक्टिव/ वोकेशनल)	कोर कोर्स
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	1. तीन वर्षीय स्नातक की डिग्री (ओल्ड कोर्स) उत्तीर्ण अथवा 2. समाजशास्त्र मुख्य या गौण विषय के साथ कला में स्नातक डिग्री उत्तीर्ण (राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 के अनुसार) अथवा 3. सम्बन्धित विषय में सीयूईटी (पीजी) या विश्वविद्यालय स्तर की प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	1. छात्र नगरीय समाजशास्त्र की परिभाषा, महत्व और नगरीकरण की प्रक्रिया को समझेगें। 2. छात्रों को नगरीय समाज की विशेषता जैसे विविधता, जटिलता, कृत्रिम जीवन शैली एवं परिवर्तन तथा समस्याओं से अवगत कराना। 3. नगरीय सरंचना एवं संस्था तथा उसके प्रकारों से अवगत कराना। 4. छात्रों को नगरीय समाज के विभिन्न सिद्वांत जैसे सेक्टर मॉडल, बहुपरमाणु सिद्वांत आदि को समझना। 5. नगरीय समस्याओं जैसे गरीबी, अपराध, मद्यपान, मलिन बस्ती एवं सुधार कार्यक्रम का ज्ञान कराना।
6	क्रेडिट मान	विकल्प- I =5, विकल्प- II & III=4
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 40+60 / न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 40

भाग ब- पाठ्यक्रम की विषय वस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या- ट्यूटोरियल- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में):L-T-P: 02-00-00= प्रति सप्ताह

इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या (01 घण्टा)
प्रथम	**नगरीय समाज का परिचयात्मक विवरण** 1. नगरीय समाज का अर्थ, परिभाषा, विशेषताएँ 2. नगरीय समाज का अध्ययन करने का दृष्टिकोण 3. बदलती व्यावसायिक संरचना और सामाजिक स्तरीकरण पर इसका प्रभाव: जाति। 4. वर्ग, लिंग और परिवार	15
	सारबिन्दु – नगरीय समाज, संरचना, स्तरीकरण, वर्ग, लिंग और परिवार	

22/8/25

22/8/25

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

	गतिविधि - विद्यार्थियों से जाति व्यवस्था में हुए परिवर्तनों पर समूह चर्चा कराई जाए।	
द्वितीय	भारत में नगरीय समाज • भारत में नगरीय समाज का अर्थ, परिभाषा और अवधारणा • भारतीय नगर और उसका विकास • बदलता नगरीय समाज • भारत में नगरीय प्रबंधन की समस्याएँ। **सारबिन्दु** – भारतीय नगर, विकास, समस्या और प्रबंधन। **गतिविधि** - नगरीय प्रभंधन को जानने के लिए अपने अपने क्षेत्र के नगर निगम/नगर पालिका का अध्ययन।	15
तृतीय	नगरीय सामाजिक संरचना और संस्था • नगरीय करण, नगरीयता , नगरवाल • शहरों की संरचना और प्रकार (मम्फोर्ड) • जेंट्रीफिकेशन • निम्न वर्ग (सी. मरे) **सारबिन्दु** – नगरीय करण, नगरीयता , नगरवाल, जेंट्रीफिकेशन, निम्न वर्ग **गतिविधि** - अपने अपने शहर की संरचना का समूह में सर्वेक्षण कर प्रतिवेदन तैयार कराए।	15
चतुर्थ	नगरीय समाज के मॉडल और सिद्धांत • संकेंद्रित क्षेत्र मॉडल (बर्गेस) • सेक्टर मॉडल (होमर होयट) • बहुनाभिकीय सिद्धांत (हैरिस और उलमैन) • केंद्रीय स्थान सिद्धांत (वाल्टर क्रिस्टेलर) **सारबिन्दु** – संकेंद्रित क्षेत्र मॉडल,सेक्टर मॉडल , बहुनाभिकीय सिद्धांत , केंद्रीय स्थान सिद्धांत **गतिविधि** - अपने अपने नगर का किसी एक सिद्धान्त के अनुसार नगरीय मॉडल का पीपीटी प्रस्तुति।	15
पंचम	समस्याएँ और नीतियाँ • गरीबी, अपराध, शराबखोरी, नशीली दवाओं का दुरुपयोग, पलायन, गंदी बस्ती विकास, आवास और पर्यावरण प्रदूषण की समस्याएँ • केंद्र और राज्य नीति। **सारबिन्दु** – गरीबी, अपराध, मद्यपान , ड्रग्स सेवन , पलायन, गंदी बस्ती , **गतिविधि** - अपने नगर की गंदी बस्ती का सर्वेक्षण करें।	15
	कुल व्याख्यान	75 घण्टें

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

अनुशंसित पुस्तकें/ सहायक पुस्तकें/अन्य पाठ्य संसाधन/ पाठ्य सामग्री :

1. हरीषचन्द्र उप्रेती एवं सैनी: नगरीय समाजशास्त्र
2. Raymod Aran : Main Currents in Sociological Thoughts
3. Ramachandran : Urbanization in India
4. Dr. ram krishan mandal, development in india, problem & solution
5. गोपाल कृष्ण अग्रवाल: नगरीय समाजशास्त्र

22/8/25

22/8/25

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

6. विश्वनाथ झा, औद्योगिक समाजशास्त्र

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:
https://nios.ac.in/online-course-material/sr-secondary-courses/Sociology-(331).aspx

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रमः
IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

भाग द-अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:सेमिनार, कक्षा परीक्षण, समूह चर्चा, कक्षा में उपस्थिति का उचित महत्व।
अधिकतम अंक: 100
सतत व्यापक मूल्यांकन- 40 अंक , विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 60

आकलन : 100 **विश्वविद्यालयीन परीक्षा:** समय- 03.00 घंटे	**खंड (ए) वस्तुनिष्ठ प्रश्न- 5 (5x1=5)** **खंड (बी): लघु प्रश्न - 5 (5x3=15)** **(आंतरिक विकल्प के साथ)** **खंड (सी): दीर्घ प्रश्न - 5 (5x8=40)** **(आंतरिक विकल्प के साथ)**	**कुल अंक 100**

कोईटिप्पणी/सुझाव:

22/8/25

22/8/25

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)